ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

" बाप (परमपिता) के नयनों में समाने वाली मैं सहज योगी आत्मा हूं "

श्रेष्ठ प्रेरणा

किसी से बदला लेने का आनंद
दो चार दिन तक रहेगा...लेकिन
किसी को माफ़ करने का आनंद
जिंदगी भर रहेगा...
इसलिए सभी को माफ़ करते रहें
और जीवन भर आनंदित रहें...।

Download App - Learn Rajyoga Meditation

ओम शान्ति 26/4/24

Parwano ka group
Godly Service

इस समय तुम ज्ञान से सुखधाम में जाते हो। उसके लिए पूरा पुरुषार्थ करना चाहिए। जितना अब पुरुषार्थ करेंगे, उतना कल्प-कल्प होगा। अपने अंदर जांच करनी है - कहां तक हम ऊंच पद पाएंगे। यह तो हर एक स्टूडेंट समझ सकते हैं कि हम जितना अच्छा पढ़ेंगे उतना ऊंच जाएंगे।

- साकार मुरली

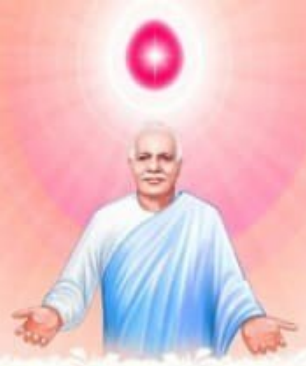

सम्पूर्णता की ओर

संस्कार तो भिन्न-भिन्न होते ही है और होंगे भी लेकिन संस्कारों को टकराना या किनारा करके स्वयं को सेफ रखना, यह अपने ऊपर है। कुछ भी हो जाता है तो अगर कोई का संस्कार ऐसा है तो दूसरा ताली नहीं बजाए। चाहे वह बदलते हैं या नहीं बदलते हैं लेकिन आप तो बदल सकते हो ना। अगर हर एक अपने को चेंज करें, समाने की शक्ति धारण करें तो दूसरे का संस्कार भी अवश्य शीतल हो जाएगा।

शिव भगवानुवाच

जैसे साधारण दुनियावी आत्माओं को चलते - फिरते, हर कर्म करते स्वत: और सदा देह का भान रहता ही है, मेहनत नहीं करते कि मैं देह हूं ।

ऐसे कमल - आसनधारी ब्राह्मण आत्माएं भी इस देहभान से स्वत: ही ऐसे न्यारे रहें जैसे अज्ञानी आत्म - अभिमान से न्यारे हैं, हैं ही आत्म - अभिमानी ।

शरीर का भान अपने तरफ आकर्षित न करे । ऐसे नैचुरल देही - अभिमानी स्थिति सदा रहे - इसको कहा जाता है देहभान से न्यारे, वह ही परमात्म - प्यारा बन जाता है ।

(अव्यक्त बापदादा : 25.10.1987)

सतयुगी राजाई और सारे कल्प का भाग्य

जिस आत्मा का मन योग के समय इधर-उधर भटकता है, उसे स्वर्ग की राजाई के लिए भी उतना ही भटकना पड़ सकता है।
अथार्त् संभव है कि कई जन्म लेने के बाद ही उसे राजाई प्राप्त हो।
शिव बाबा को प्रेम से याद करने के साथ-साथ हम अपने मन में यह भाव भी सदैव रखें कि मैं आत्मा सारे कल्प अथार्त् पूरे 5000 साल के लिए शिव बाबा से अपना पद्मापदम भाग्य प्राप्त कर रही हूं।

Om Shanti

मुश्किल वक्त में आपने उनको सहयोग दिया,
आपने तन, मन, धन से उनकी मदद की,
क्योंकि वह आपकी विशेषता है।

अपनी सारी विशेषताओं के साथ
एक और विशेषता अपना लें -
यह अपेक्षा नहीं रखना के
उनके अंदर भी वही विशेषता होगी।
उनकी विशेषताएं आपसे अलग हैं।

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org